Maharishi Skills
SKILLS | EDUCATION

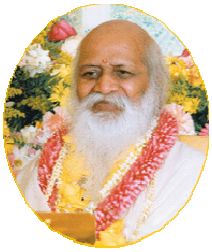

Certificate in Dance

Duration : 6 Months

- संगीत में नृत्य का स्थान एवं नृत्य कला सीखने से लाभ
- कथक नृत्य के गुरू एवं कलाकारों की जानकारी
- निम्नलिखित परिभाषिक शब्दों का ज्ञान :–
  - सम, आवर्तन, थाट, आमद, तोड़ा या टुकड़ा, परन, हस्तक, कवित्त, गुरू वंदना
- ताल की व्याख्या एवं तीनताल (16 मात्रा), दादरा (6 मात्रा), कहरवा (8 मात्रा), रूपक (7 मात्रा), तालों की जानकारी
- लय की परिभाषा एवं उसके प्रकार
- आचार्य नन्दीकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार असंयुक्त हस्त मुद्राओं का (1–16) तक श्लोक सहित ज्ञान।
- मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध लोक नृत्यों की सामान्य जानकारी
- आचार्य नन्दीकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार ग्रीवा भेदों की जानकारी

प्रायोगिक –

- नृत्य के आंरभ में भूमि प्रमाण एवं गुरू वंदना
- तीन ताल में प्रारंभिक हस्तक– ठाह, दुगुन, लय में करने का अभ्यास
- तीनताल में थाट, आमद, पॉच तोड़ें, एक चक्करदार तोड़ा, परन, कवित्त, दो गत निकास (मटकी व मुरली), एक गतभाव (पनघट) तथा तत्कार के प्रकार
- तीनताल (16 मात्रा), दादरा (6 मात्रा), कहरवा (8 मात्रा), तालों को मौखिक रूप से हाथ से ठाह, दुगुन चौगुन ताल देने की क्षमता
- आचार्य नन्दीकेश्वर द्वारा रचित 'अभिनय दर्पण' के अनुसार असंयुक्त हस्त मुद्राओं का मौखिक रूप से प्रायोगिक प्रदर्शन
- निम्नलिखित विभिन्न अंचलों के एक–एक लोकनृत्यों का प्रायोगिक प्रदर्शन
    - मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, पंजाब, महाराष्ट्र, बंगाल, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश